मीडिया समन्वयक कार्यालय

जामिया मिल्लिया इस्लामिया

प्रेस विज्ञप्ति 29 अक्तूबर 2017

जामिया मिल्लिया इस्लामिया में 97 वें स्थापना दिवस पर तालीमी मेला

वायु सेना और नौसेना ने भी की हिस्सेदारी

जामिया मिल्लिया इस्लामिया :जेएमआईः में उसके 97 वें स्थापना दिवस के मौक़े पर हर साल मनाए जाने वाला ''तालीमी मेला'' आज शुरू हुआ जिसमें वायु सेना और नौसेना ने भी हिस्सेदारी की।

असहयोग आंदोलन के समय ब्रिटिश शिक्षा के खिलाफ भारतीय ज़रूरतों के अनुरूप तालीम देने वाली शैक्षिक संस्थाएं शुरू करने के राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के आह्वान पर 29 अक्तबूर 1920 में मौलाना अली जौहर की अगुवाई में जामिया मिल्लिया इस्लामिया की स्थापना हुई थी। आज देश–विदेश की शैक्षिक संस्थाओं में इसने एक बड़ा और अहम स्थान बना लिया है।

दो दिवसीय तालीमी मेले के उद्घाटन संबोधन में विश्वविद्यालय के वाइस चांसलर प्रो तलत अहमद ने कहा, '' जामिया मिल्लिया अपने 100 साल पूरे करने के क़रीब है। अपने इस सफर को बखूबी अंजाम देते हुए यह आज देश के केन्द्रीय विश्वविद्यालयों में छठे और देश के तमाम विश्वविद्यालयों में 12 वें स्थान पर है। यही नहीं वैश्विक रैंकिंग में जामिया मिल्लिया सर्वश्रेष्ठ 1000 और एशिया के सर्वश्रेष्ठ 200 विश्वविद्यालयों में शामिल है।'' उन्होंने कहा कि जेएमआई देश–दुनिया में हो रहे नए परिवर्तनों को अपनाते हुए अपनी ''जड़ों और तहज़ीब'' को पकड़े रखें और तालीमी मेला हमें हर साल यही याद दिलाता है।

जामिया मिल्लिया में मेडिकल कॉलेज खोले जाने के प्रयासों का ज़िक्र करते हुए उन्होंने इसमें जल्द कामयाबी मिलने की उम्मीद जताई।

इस बात पर उन्होंने गर्व जताया कि यह देश का अकेला ऐसा विश्वविद्यालय है जो डिस्टेंस एड्यूकेशन के ज़रिए देश की तीनों सेनाओं –– वायु सेना, नौसेना और थल सेना के लिए बीए और एमए के डिग्री कोर्स चला रहा है। इससे 16–17 साल में सेना में भर्ती होकर 30–35 साल की उम्र में रिटायर हो जाने वाले सैनिकों एवं अधिकारियों को वैकल्पिक नौकरियां मिलने में बड़ी मदद मिल रही है।

जेएमआई की चांसलर और मणिपुर की राज्यपाल डा नजमा हेपतुल्ला ने वीडियो संदेश के ज़रिए उद्घाटन समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि आज जामिया अंतरराष्ट्रीय स्तर का विश्वविद्यालय बन गया है और इसके संस्थापकों का सपना पूरा हुआ। उन्होंने कहा, उनकी ख्वाहिश है कि जेएमआई में मेडिकल कॉलेज खोलने में वह कुछ मदद कर सकें। तालीमी मेले का उद्घाटन चांसलर को ही करना था, लेकिन अपने राज्य में कुछ आवश्यक व्यस्तता के चलते वह नहीं आ सकीं।

तालीमी मेले में शिक्षा, खान–पान, मनोरंजन, खेल, प्रौद्योगिकी, इंजीनियरिंग, साहित्य आदि से संबंधित लगभग 66 स्टाल लगाई गई हैं। इस बार वायु सेना और नौसेना ने भी अपनी स्टाल लगाईं हैं।

बच्चों को आगे बढ़ाने और उनमें नेतृत्व क्षमता का विकास करने की अपनी रणनीति के तहत हमेशा की तरह इस बार भी जामिया मिल्लिया के मिडिल स्कूल की बच्चियों ने मंच का संचालन संभाला।

हर साल मनाए जाने वाले तालीमी मेले में इस बार पुस्तक मेला, फोटोग्राफी प्रदर्शनी, फिल्म उत्सव, मुशायरा, प्रेमचंद, मंटो और असमत चुग़तई की लघु कथाओं का नाट्कीय पठन, नुक्कड़ नाटकों, विभिन्न विषयों पर व्याख्यान आदि का आयोजन किया गया है।

विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के संयुक्त सचिव प्रो देव स्वरूप ने सरोजनी नायडू सेंटर फॉर वुमन स्ट्डीज़ की स्टाल में महिला अधिकारों से जुड़ी पत्रिकाओं और पुस्तकों का विमोचन किया।

हमेशा की तरह, मेले में जामिया नगर के रिहायशी इलाकों के लोग भी बड़े पैमाने पर आए हैं। इस अवसर पर छात्रों की ओर से खान–पान सामग्री से लेकर अपने अपने विभागों से जुड़ी विभिन्न किस्म की दिलचस्प स्टाल लगाई गई है जिनमें खूब भीड़ है। चारों ओर उत्सव का माहौल है।

तालीमी मेले में छात्रों की ओर से मुशायरा, क़व्वाली, बिजनेस क्विज़, जेनेरिक क्विज़, वाद विवाद, बैत बाज़ी, फूड फेस्टिवल, पोस्टर मेकिंग प्रतियोगता और शास्त्रीय एवं पाश्चात्य संगीत आदि कार्यक्रमों का आयोजन किया गया है।

उद्घाटन कार्यक्रम का प्रारंभ कुरान की आयत के पाठ और समापन राष्ट्रगान से हुआ।

समारोह शुरू होने से पहले जेएमआई के एनएसएस कैडट्स ने वाइस चांसलर को गार्ड ऑफ ऑनर दिया। इसके बाद उनके द्वारा राष्ट्रीय ध्वज एवं जेएमआई का ध्वज फहराने के साथ कार्यक्रम शुरू हुआ।

प्रो साइमा सईद

मीडिया कोऑर्डनैटर